झारखंड के अनुसूचित जाति (एससी) लाभार्थियों के लिए एकीकृत बहुपोषी जलीय कृषि (आईएमटीए) प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन प्रतिवेदन : एससीएसपी घटक

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफई), मुंबई ने मत्स्य निदेशालय, झारखंड सरकार के सहयोग से झारखंड के हजारीबाग जिले के कटकमसांडी के साहपुर गांव में 10-12 अगस्त 2024 तक "एकीकृत बहु-पोषी जलीय कृषि (आईएमटीए) खेती मॉडल" पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया । कार्यक्रम का उद्घाटन झारखंड सरकार के मत्स्य निदेशक डॉ. एच.एन. द्विवेदी और हजारीबाग के जिला मत्स्य पदाधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार ने किया । दोनों ने उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए एक ही पालन वातावरण में मछली, मोती मसल्स (सीपिया) और वाटर चेस्टनट (सिंघाड़ा) के सतत उत्पादन में आईएमटीए के महत्व पर जोर दिया । आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के वरिष्ठ वैज्ञानिक और इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. प्रेम कुमार ने आईएमटीए खेती के तकनीकी विवरण और वैज्ञानिक ज्ञान की जानकारी दी । प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में, आईएमटीए खेती प्रणाली की स्थापना की गई और इसके संचालन का प्रदर्शन किया गया । आईएमटीए प्रणाली के लिए आवश्यक मछली बीज, मोती मसल और वाटर चेस्टनट को लाभार्थियों के बीच वितरित किया गया । कार्यक्रम में महिलाओं (35) सहित 60 से अधिक अनुसूचित जाति (एससी) लाभार्थियों, वैज्ञानिकों और मत्स्य अधिकारियों ने भाग लिया । कार्यक्रम का संचालन एससीएसपी के नोडल अधिकारी डॉ. मुनीलकुमार सुखम, एफएनबीपी प्रभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. के.एन. मोहंता एवं के.मा.शि.सं., मुंबई के निदेशक/कुलपति डॉ. सी.एन. रविशंकर के मार्गदर्शन में किया गया ।